प्रार्थना

हम जैन धर्म अनुयायी हैं, सर्वत्र शांति फैलाएंगे।
प्रभु महावीर के सेवक हैं, बन महावीर दिखलाएंगे ॥ टेक ॥

1. हिंसा से दूर रहेंगे हम, शत्रु को मित्र कहेंगे हम।
   सारे ही कष्ट सहेंगे हम, जग-गुलशन को महकाएंगे ॥
2. है सत्य-शील हमको प्यारा, संयम-जीवन अपना नारा।
   हम बहा त्याग-तप की धारा, जीवन आदर्श बनाएंगे ॥
3. आहार शुद्ध हम रखेंगे, आचार शुद्ध हम रखेंगे।
   व्यवहार शुद्ध हम रखेंगे और आत्मा-शुद्धि कर पाएंगे ॥
4. असहाय हैं और निर्धन हैं, जिनके भूखे नंगे तन हैं।
   जो दुखी और पीड़ित जन हैं, हम उनको गले लगाएंगे ॥

एक पहाड़ा
(A Table)

1.	पहले न. पर है एक	:	फैशन पर लागाओ ब्रेक (Brake)
2.	दूजे न. पर है दो	:	T.V. में मत ध्यान धरो
3.	तीजे न. पर है तीन	:	देखो नहीं गन्दे सीन (Scene)
4.	चौथे न. पर है चार	:	सादा जीवन, उच्च विचार
5.	पाँचवे न. पर है पाँच	:	सत्य धर्म पर न हो आँच (Harm)
6.	छटे न पर है छः	:	मेहनती की होती जय
7.	सातवें नं. पर है सात	:	सदा बड़ों की मानो बात
8.	आठवें न. पर है आठ	:	शाकाहार का पढ़ना पाठ
9.	नौवे न. पर है नौ	:	नहीं किसी से बुरे बनो
10.	दसवे न. पर है दस	:	जीवन में है पाना यश (Praise)

Numers Poem

1	2	3	4	तुम सब करो एक दूजे से प्यार
5	6	7	8	सदा याद रखो सच्चाई का पाठ
9	10	11	12	थूकं दो अपना गुस्सा सारा
13	14	15	16	सफल करो मानव चोला
17	18	19	20	मत करो एक दूजे से रीस
21	22	23	24	जैन धर्म के तीर्थंकर चौबीस

हाय हैलो छोड़िए जय जिनेन्द्र बोलिए

1. सुब उठें मम्मी से बोलें, जय जिनेन्द्र - जय जिनेन्द्र
2. अपने पापा जी से बोलें, जय जिनेन्द्र - जय जिनेन्द्र
3. दादा और दादी से बोलें, जय जिनेन्द्र - जय जिनेन्द्र
4. भैया से, दीदी से बोलें, जय जिनेन्द्र - जय जिनेन्द्र
5. स्कूल में सर मैडम से बोलें, जय जिनेन्द्र - जय जिनेन्द्र
6. सभी साथियों से हम बोलें, जय जिनेन्द्र - जय जिनेन्द्र

छोटे-छोटे बच्चे

छोटे-छोटे बच्चे, मानो गुलाब के फूल।
हम खिलते जायेंगे, महावीर के शासन में ॥टेक॥

हम बनेंगे महावीर, हम बनेंगे गौतम।
जंबू जैसे बन जायेंगे, महावीर के शासन में... ॥१॥

चंदनबाला बनेंगे, मृगावती बनेंगे।
सीता जैसे बन जायेंगे, महावीर के शासन में... ॥२॥

झूठ नहीं बोलेंगे, चोरी नहीं करेंगे।
टी.वी. से दूर रहेंगे, महावीर के शासन में... ॥३॥

सुबह जल्दी उठेंगे, नवकार मंत्र जपेंगे।
जय जिनेन्द्र बोलेंगे, महावीर के शासन में... ॥४॥

हँसते-रमते रहेंगे, गुस्सा नहीं करेंगे।
संत, सेवा साधेंगे, महावीर के शासन में... ॥५॥

जब बड़े बन जायेंगे, शासन को चमकायेंगे।
जल्दी मुक्ति पायेंगे, महावीर के शासन में... ॥६॥